NEWSLETTER

GOLD : 52311
SILVER : 61619
CRUD OIL : 7121

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

12/11/2022

एमसीएक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर सौदा भाव बहुत तेजी से बढ़ते है और उतनी ही तेजी से घट भी जाते है। सटोरिये तो इस तेजी-मंदी का फायदा उठा लेते है लेकिन, समस्या फिजिकल मार्केट में डील करने वालों को हो जाती है। नतीजा यह होता है कि फिजिकल मार्केट में व्यापारी को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। अगर जल्द ही एमसीएक्स को बैन नहीं किया गया तो हमारी फिजिकल कॉटन इंडस्ट्री के लिए सर्वाइव करना मुश्किल हो जाएगा। यह चिंता जताई जलगांव और खरगोन में जिनिंग फैक्ट्री चला रहे निलेश गांधी ने।

एमसीएक्स पर बैन नहीं लगा तो फिजिकल इंडस्ट्री नहीं कर पाएंगी सर्वाइव

मंडी टैक्स हटाना अच्छा कदम

एसआईएस से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि एमपी और महाराष्ट्र के कॉटन उद्योग में बहुत अंतर है। एमपी से मंडी टैक्स को हटाना एक अच्छा कदम है। लेकिन इस टैक्स को हटाने के बाद भी व्यापार में हम महाराष्ट्र या गुजरात को टक्कर नहीं दे सकते। क्योंकि दोनों राज्यों के कपास उत्पादन में ही बहुत बड़ा अंतर है। महाराष्ट्र में जहां 1 करोड़ कॉटन बेल्स होती है वहीं एमपी में महज 20 लाख कॉटन बेल्स होती है।

कम मार्जिन में काम करने को मजबूर जिनर

उन्होंने कहा कि अभी के समय में एक जिनर बिल्कुल कट टू कट मार्जिन पर काम करने को मजबूर है। क्योंकि नया सीजन शुरू होने के बाद भी मंडियों में कपास की आवक बहुत धीमी है। किसानों ने अच्छे भाव की आस में माल स्टॉक करके रखा है। हो सकता है इससे उन्हें तो मुनाफा हो जाए लेकिन जिनर्स को खासा नुकसान हो रहा है। अधिकतर जिनिंग फैक्ट्री अपनी आधी सीमा पर काम कर रही है। सभी को आने वाले समय में सुधार की उम्मीद है।

हर दिन 1 लाख कॉटन बेल्स की खपत

इस साल की सालाना आवक के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि मोटे तौर पर देखे तो इंडिया में हर दिन 1 लाख कॉटन बेल्स की खपत होती है। सालभर में हमें 3 करोड़ कॉटन बेल्स की आवश्यकता होती है। और हमारा सालाना प्रोडक्शन लगभग 3.25 से 3.50 करोड़ बेल्स के बीच का है। बची हुई बेल्स को एक्सपोर्ट किया जाता है। लगभग इतना ही प्रोडक्शन इस साल भी होगा।

वर्तमान में इंडस्ट्री के लिए यह है बड़ी मुश्किलें

- मार्केट अस्थिरता
- धीमी आवक
- किसानों द्वारा माल को स्टॉक कर लेना
- लेबर नहीं मिलना या बहुत महंगी मिलना।
- सरकार द्वारा वसूले जा रहे अतिरिक्त टैक्स।

निलेश गांधी,
राजश्री जिनिंग, जलगांव

किसान की आवाज

सफेद मक्खी से निमाड़ बेल्ट की कपास फसल को नुकसान

कपास की अच्छी पैदावार के लिए जरूरी है पूरे सीजन उसे सही तापमान मिलें। इस बार हुई अत्यधिक बारिश की वजह से कपास को अत्यधिक नमी झेलनी पड़ी जबकि जरूरी धूप नहीं मिल पाई, नतीजा फसल को कीटों ने जकड़ लिया। हमारे एरिया यानी निमाड़ बेल्ट में इस सीजन सफेद मक्खी का खासा प्रकोप रहा। खंडवा जिले में ही इस कीट की वजह से लगभग 30 प्रतिशत कपास की फसल को नुकसान पहुंचा है। यह जानकारी दी पुनासा डेम के नजदीक धनगांव गांव में कपास की खेती कर रहे किसान जगदीश मालवीय ने।

जगदीशजी ने बताया कि वे पिछले 20 सालों से खेती कर रहे है। अपनी 30 एकड़ जमीन में वे कपास के अलावा सोयाबीन, गेंहू और प्याज की खेती भी करते है। उन्होंने कहा कि पिछले सीजन कपास के अच्छे भाव मिले इस वजह से किसानों ने इस बार कपास ज्यादा बोया था। लेकिन बारिश ने पैदावार को कम कर दिया। हालांकि अब भी किसानों को भाव अच्छे मिलने की पूरी उम्मीद है क्योंकि उत्पादन गुजरात और महाराष्ट्र में भी कम ही हुआ है। हमें उम्मीद है कि इस बार भी कपास 11 से 12 हजार के भाव में बिकेगा।

जगदीश मालवीय, कपास किसान
धनगांव गांव, मध्य प्रदेश ||

मंडी टैक्स पर मध्यप्रदेश की जीत, मुख्यमंत्री से मिला पॉजीटिव रिस्पॉन्स

लंबे समय से चल रही मंडी टैक्स की जंग को प्रदेश के जिनर्स ने लगभग जीत लिया है। दरअसल, बुधवार को मध्यांचल कॉटन जिनर्स एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट विनोद जैन ने अपने साथियों के साथ पीएम हाउस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान सांसद गजेंद्र पटेल और पशुपालन मंत्री प्रेमसिंहजी पटेल भी मौके पर मौजूद रहे।

विनोद जैन जी ने बताया कि मुलाकात के दौरान माननीय प्रधानमंत्रीजी ने मंडी टैक्स के मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए काफी पॉजीटिव रिस्पॉन्स दिया। उन्होंने तुरंत ही संबंधित उच्च अधिकारियों से टेलीफोन पर चर्चा की और मंडी टैक्स को महाराष्ट्र के बराबर करने के निर्देश दिए।

यह है सवाल

मुख्यमंत्रीजी ने मंडी टैक्स महाराष्ट्र के बराबर करने के निर्देश दिए है। मालूम हो कि महाराष्ट्र में आधिकारिक तौर पर 1 रूपया टैक्स है जबकि मंडियों में 25 से 50 पैसे के बीच टैक्स लिया जाता है। अब सवाल यह उठता है कि अधिकारी एमपी में 1 रूपया मंडी टैक्स लगाएंगे या 50 पैसे ?

यदि टैक्स 1 रूपया किया तो व्यापार पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन यदि टैक्स घटाकर 50 पैसे कर दिया गया तो किसान और व्यापारी दोनों को फायदा होगा। इस स्थिति में किसानों को प्रति क्विंटल 100 रूपये ज्यादा मिलेंगे और महाराष्ट्र और गुजरात जैसे अग्रणी राज्यों से हमारा मध्यप्रदेश मुकाबला कर पाएगा।

विनोद जैन,
मध्यांचल कॉटन
जिनर्स एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन

NEWSLETTER

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

12/11/2022

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेग्मेंट के लिए गिरावट वाला रहा नवंबर का दूसरा हफ्ता

07 नवंबर से 12 नवंबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

टेक्सटाइल निवेशकों के लिए यह सप्ताह गिरावट भरा रहा। लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स के मार्केट कैप इस सप्ताह निगेटिव रहे। पिछले सप्ताह रेमण्ड ने मार्केट पर पकड़ बना रखी थी लेकिन इस सप्ताह रेमण्ड के शेयर्स के दाम भी गिरे है। आइए देखते है बीएससी के मंच पर प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की इस सप्ताह की रिपोर्ट-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	346.25	357.5	339.7	-2.64%
अरविंद लिमिटेड	93.4	98.2	92-40	-3.21%
वेलसपन इंडिया	78.1	80.25	74.6	-1.01%
नितिन स्पिनर्स	193.6	209.35	187.05	-6.86%
रेमण्ड	1207.8	1300.3	1192.15	-6.83%

जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा नवंबर माह का दूसरा सप्ताह

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 12.11.2022

ICE COTTON			
MONTH	04.11.22	11.11.22	WEEKLY CHANGE
DEC	86.93	88.20	1.27
MARCH	85.67	86.33	0.66
MAY	84.63	85.56	0.93
MCX (BALES)			
NOV	31990	33210	1220
DEC	30950	31800	850
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1653	1752	99
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2639	2770	131
JAN	2599	2668	69
FEB	2620	2690	70
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.44	80.80	-1.64
PAK (Pakistani Rupee)	221.5	221.559	0.059
CNY (Chinese yuan)	7.18518	7.10817	-0.07701
BRAZIL (Real)	5.05603	5.32518	0.26915
AUSTRALIAN Dollar	1.54735	1.48953	-0.05782
MALAYSIAN RINGGITS	4.74799	4.62698	-0.12101
COTLOOK "A" INDEX	100.1	103.55	3.45
BRAZIL COTTON INDEX	99.91	99.12	-0.79
USDA SPOT RATE	86.89	87.56	0.67
MCX SPOT RATE	31360	32360	1000
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16500	16700	200

नवंबर महीने के दूसरे सप्ताह में भी कॉटन कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज और नेशनल एक्सचेंज मार्केट दोनों ही जगह कॉटन के दाम बढ़े है। आइए जानते है इस सप्ताह का कॉटन का लेखा-जोखा -

आईस कॉटन पर इस सप्ताहअंत तक दिसंबर, मार्च और मई तीनों ही महीनों के सौदा भाव में 1.27, 0.66 और 0.93 की बढ़ोतरी हुई। वहीं एमसीएक्स पर नवबर माह के लिए कॉटन के दाम 1220 और दिसंबर माह के लिए भाव 850 रूपये तक बढ़े।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव पिछले सप्ताह में 1653 रूपए थे जो इस सप्ताह 99 रूपए बढ़कर 1752 रूपए हो गए। खल के सौदा भाव में भी बढ़ोतरी हुई है। एनसीडीएक्स पर दिसंबर माह के लिए खल भाव में 131, जनवरी के लिए 69 और फरवरी के लिए 70 रूपए की बढ़त दर्ज की गई।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट में भी ब्राजील कॉटन इंडेक्स को छोड़ अन्य सभी मार्केट पर कॉटन के भाव इस सप्ताह बढ़े है। कॉटलुक ए इंडेक्स पर 3.45, यूएसडीए स्पॉट रेट 0.67, एससीएक्स स्पॉट रेट 1000 और केसीए स्पॉट रेट पर 200 की बढ़ोतरी हुई है।